www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 41 || लखनऊ
सोमवार
11 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:21
सूर्यास्तः 06:44
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 37°00

विशेष समाचार | चुनावी नतीजों से अधिक महत्वपूर्ण... >> पेज 02 | भाजयुमो नेता को गोली मारी... >>पेज 04 | बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा...

योगी मंत्रिमंडल में 6 नए मंत्री बने, 2 का प्रमोशन

राज्यपाल-सीएम के पैर छुए, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहीं कृष्णा पासवान भी मंत्री बनीं

फेरबदल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी की योगी कैबिनेट का आज दूसरी बार विस्तार हुआ। 2 कैबिनेट और 4 राज्यमंत्री मिलाकर 6 नए सदस्य शामिल हुए। वहीं 2 राज्य मंत्रियों को प्रमोशन देकर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। राजभवन में रविवार को आयोजित समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने शपथ ली। दोनों को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। तीसरे नंबर पर अजीत पाल और फिर सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों को प्रमोट कर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। इसके बाद कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली। कृष्णा पासवान पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। नए बनने वाले मंत्रियों में 1 ब्राह्मण, 3 ओबीसी और 2 दलित वर्ग से हैं। शपथ के बाद अजीत पाल, सोमेंद्र तोमर, कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज ने राज्यपाल और सीएम के पैर छुए। अब यूपी सरकार में योगी को मिलाकर कुल 60 मंत्री हैं। योगी मंत्रिमंडल का पहला विस्तार 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 5 मार्च, 2024 को हुआ था। मंत्री पद न मिलने से नाराज भाजपा विधायक आशा मौर्या ने पार्टी पर अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मौर्य समाज की अनदेखी की गई है। दलबदलू नेताओं को तवज्जो दी गई। आशा मौर्य सीतापुर में महमूदाबाद सीट से विधायक हैं। मंत्री दया शंकर सिंह ने प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर कहा, मंत्री परिषद में 6 पद खाली थे। उन्हें भरा जा रहा है। सभी क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बना रहे, इसके लिए ये व्यवस्था बनाई गई है। जो भी मंत्री बनेंगे उन्हें बहुत-बहुत बधाई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

योगी सरकार के नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण के बाद ग्रुप फोटो खिंचवाई।

नेता विपक्ष बोले- मनोज पांडेय की शपथ को चैलेंज नहीं कर सकती सपा

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और नेता विपक्षी दल माता प्रसाद पांडेय ने कहा- मनोज पांडेय ने 2022 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। 2024 में राज्यसभा चुनाव के वक्त उन्होंने बगावत करते हुए भाजपा प्रत्याशी को वोट दिया था। इसके बाद सपा ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया था। मनोज पांडेय को पार्टी से निकाला जा चुका है, इसलिए उनके मंत्री पद की शपथ लेने को चुनौती नहीं दी जा सकती। अगर पार्टी ने निकाला न होता और वे मंत्री पद की शपथ लेते तो नियमों के विरुद्ध होता। पार्टी से निष्कासन के बाद कोई भी विधायक निर्दलीय विधायक की तरह माना जाता है।

योगी के 6 नए मंत्री

भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री | मनोज पांडेय, कैबिनेट मंत्री | कृष्णा पासवान, राज्य मंत्री
कैलाश सिंह राजपूत, राज्य मंत्री | सुरेंद्र दिलेर, राज्य मंत्री | हंसराज विश्वकर्मा, राज्य मंत्री

इन 2 मंत्रियों का प्रमोशन हुआ

अजीत पाल सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) | सोमेंद्र तोमर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

पोसट

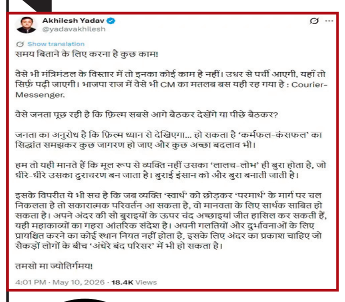
Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation
समय बिताने के लिए करना है कुछ काम!
वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहाँ तो सिर्फ़ पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी CM का मतलब बस यही रह गया है : Courier-Messenger.
वैसे जनता पूछ रही है कि फ़िल्म सबसे आगे बैठकर देखेंगे या पीछे बैठकर?
जनता का अनुरोध है कि फ़िल्म ध्यान से देखिएगा... हो सकता है 'कर्मफल-कंसफल' का सिद्धांत समझकर कुछ जागरण हो जाए और कुछ अच्छा बदलाव भी।
…
तमसो मा ज्योतिर्गमय!
4:01 PM · May 10, 2026 · 18.4K Views

अखिलेश ने एक्स पर लिखा- यूपी में सीएम का मतलब कूरियर मैसेंजर

अखिलेश ने योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार पर तंज कसा है। उन्होंने X पर लिखा, समय बिताने के लिए करना है कुछ काम। वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहां तो सिर्फ पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी CM का मतलब बस यही रह गया है- कूरियर मैसेंजर। वैसे जनता पूछ रही है कि फिल्म सबसे आगे बैठकर देखेंगे या पीछे बैठकर? जनता का अनुरोध है कि फिल्म ध्यान से देखिएगा। हो सकता है 'कर्मफल-कंसफल' का सिद्धांत समझकर कुछ जागरण हो जाए और कुछ अच्छा बदलाव भी। हम तो यही मानते हैं कि मूल रूप से व्यक्ति नहीं उसका 'लालच-लोभ' ही बुरा होता है, जो धीरे-धीरे उसका दुराचरण बन जाता है। बुराई इंसान को और बुरा बनाती जाती है। इसके विपरीत ये भी सच है कि जब व्यक्ति 'स्वार्थ' को छोड़कर 'परमार्थ' के मार्ग पर चल निकलता है तो सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है, वो मानवता के लिए सार्थक साबित हो सकता है। अपने अंदर की सौ बुराइयों के ऊपर चंद अच्छाइयां जीत हासिल कर सकती हैं, यही महाकाव्यों का गहरा आंतरिक संदेश है। अपनी गलतियों और दुर्भावनाओं के लिए प्रायश्चित करने का कोई स्थान नियत नहीं होता है, इसके लिए अंदर का प्रकाश चाहिए जो सैकड़ों लोगों के बीच 'अंधेरे बंद परिसर' में भी हो सकता है। तमसो मा ज्योतिर्गमय!

अखिलेश का काम सवाल खड़े करना, करते रहेंगे- पंकज चौधरी

केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, सभी मंत्रियों को बधाई। आज 8 लोगों ने शपथ ली है, 2 की पद्दोन्नति हुई है। 6 लोगों को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। मुझे पूरा विश्वास है कि उन्हें जो दायित्व मिलेगा वे उसका निर्वहन करेंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर उन्होंने कहा, विपक्ष का काम सवाल खड़े करना है, कुछ भी करो वे सवाल खड़ा करेंगे। प्रदेश की उन्नति के लिए सभी मंत्री मिलकर काम करेंगे।

मंत्री ओपी राजभर बोले- प्रदेश के विकास और चुनाव में योगदान देंगे नए मंत्री

मंत्री ओपी राजभर ने कैबिनेट के विस्तार पर कहा, हमारे जिन साथियों ने आज शपथ ली है, निश्चित है कि प्रदेश के विकास और आने वाले चुनाव में उनका बड़ा योगदान होगा। उन्होंने आगे कहा, बंगाल का चुनाव और बिहार के चुनाव ने संदेश दे दिया है।

विपक्ष के लोगों को पता चल गया है। जिस दिन बंगाल चुनाव के नतीजे आ रहे थे।

उस दिन अखिलेश यादव 4 घंटे तक बेहोश थे। नए मंत्रियों का हम स्वागत करते हैं।

> उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, नए साथियों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। विकसित भारत का संकल्प जो प्रधानमंत्री मोदी ने लिया है, अब उस ओर नए मंत्रिमंडल के साथी एकसाथ काम करेंगे और उत्तर प्रदेश को हम विकसित उत्तर प्रदेश बनाएंगे।

भूपेंद्र चौधरी बोले- मेरी कोई अपेक्षाएं नहीं, अखिलेश पर साधा निशाना

कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा, हम संगठन के कार्यकर्ता हैं और पार्टी नेतृत्व, प्रधानमंत्री मोदी हमें जो भूमिका दे देते हैं, उसे पूरा करने की जिम्मेदारी हमारी है।

मैं अपने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभारी हूं कि मुझे इस रूप में काम करने का अवसर दिया है। मैं नेतृत्व की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करूंगा। मेरी कोई अपेक्षाएं नहीं है, मुख्यमंत्री के आदेश का हम पालन करेंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के तंज पर उन्होंने कहा, अखिलेश यादव इतने वरिष्ठ नेता हैं, उनसे इस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा नहीं की जाती। यह संवैधानिक प्रक्रिया है और प्रक्रिया के तहत ही मंत्रिमंडल का गठन होता है।

पीएम ने बेंगलुरु में ध्यान मंदिर का किया उद्घाटन

आर्ट ऑफ लिविंग के 45 साल पूरे, शिक्षा-स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी 9 पहल शुरू

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया। ये कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग के 45 साल पूरे होने और संस्थापक श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जनजातीय कल्याण, स्वास्थ्य और डिजिटल साक्षरता से जुड़ी 9 नई सेवा परियोजनाओं की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नया ध्यान मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए शांति और सुकून का बड़ा केंद्र बनेगा। उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग के 45 साल के काम की सराहना करते हुए कहा कि सेवा भाव से किया गया हर प्रयास सफल होता है।

> कार्यक्रम में मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों से हजारों स्वयंसेवक शामिल हुए। इनमें युवा, डॉक्टर, शिक्षक, कारोबारी और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

>> (शेष पेज 04 पर)

तेल-कंपनियों को हर दिन 1,700 करोड़ का नुकसान

वजह- वैश्विक तनाव के बीच पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए

1 लाख करोड़ का घाटा 10-हफ्ते में

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 50% तक बढ़ चुकी हैं। इसके बावजूद भारतीय बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पिछले दो साल के स्तर पर ही स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियां देश के उपभोक्ताओं को ग्लोबल एनर्जी शॉक से बचाने के लिए भारी वित्तीय बोझ यानी नुकसान उठा रही हैं। PTI के सूत्रों के मुताबिक, पिछले 10 हफ्तों में इन कंपनियों को 1 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। इंडियन ऑयल (IOC), भारत पेट्रोलियम (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (LPG) की बिक्री पर रोज 1,600 से 1,700 करोड़ का नुकसान हो रहा है। कच्चे तेल की लागत बढ़ने के बाद भी पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 प्रति लीटर के पुराने रेट पर ही मिल रहा है। भारत अपनी जरूरत का 40% कच्चा तेल, 90% एलपीजी और 65% नेचुरल गैस आयात करता है।

फास्ट न्यूज

परिवार का लंदन भेजने के नाम पर अपहरण

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में रहने वाले एक परिवार अवैध तरीके से लंदन जाने नाम पर एजेंटों के जाल में फंस गया। पति, पत्नी और उनके दो बेटे 20 अप्रैल को घर से निकले थे, लेकिन दुबई पहुंचने के बाद उनका परिवार से संपर्क टूट गया। परिजन का आरोप है कि एजेंट ने चारों को बंधक बना लिया है और उन्हें छोड़ने के बदले 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी जा रही है।

यूपी में 2 दिन बाद फिर बिगड़ेगा मौसम

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला दो दिन के लिए थम गया है। रविवार सुबह से पूरे प्रदेश में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। हालांकि, हल्की ठंडी हवाएं धूप के असर को कम किए हुए हैं। रविवार को कहीं भी आंधी-बारिश का अलर्ट नहीं है। करीब 7 दिन बाद शनिवार को दिन का तापमान 40°C पहुंच गया। रविवार को भी पारा 40°C से 43°C के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ का असर पूरी तरह से खत्म हो गया है। हालांकि, 12 मई से मौसम फिर से बिगड़ेगा। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है।

एमपी-राजस्थान-गुजरात में गर्मी लौटी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में एक बार फिर गर्मी लौट आई है। राजस्थान के बाड़मेर–जैसलमेर, मध्य प्रदेश के रतलाम और गुजरात के कांडला पोर्ट में पारा 44°C पार पहुंच गया है। बाड़मेर में पारा 45.7°C पहुंच गया है। वहीं राजस्थान और गुजरात में रात में भी लू चल रही है। मौसम विभाग ने आज पंजाब और गंगा से सटे बंगाल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

केरलम में सीएम पर सस्पेंस

कांग्रेस ने दावेदारों के पोस्टर हटवाए, दावा- विधायकों का वेणुगोपाल को समर्थन

बहुमत

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम। 4 मई को 5 राज्यों के चुनावों के रिजल्ट आने के बाद बंगाल और तमिलनाडु में नए सीएम की शपथ हो चुकी है। पुडुचेरी और असम में सीएम का नाम और शपथ की तारीख तय हो गई है, लेकिन 6 दिन बाद भी केरलम में पूर्ण बहुमत पाने वाले कांग्रेस के गठबंधन ने अपने सीएम के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पिछले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन और 6 बार के विधायक रमेश चेन्निथला यहां मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। 6 मई को कांग्रेस ने मुकुल वासनिक और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर केरलम भेजा था। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने सभी विधायकों से बात कर ली है। दावा किया जा रहा है कि आलाकमान को सौंपी गई इस रिपोर्ट में विधायकों ने के.सी. वेणुगोपाल के नाम पर मुहर लगाई है। असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- हम दोपहर तक सरकार बनाने के अपने दावे के बारे में राज्यपाल को सूचित कर देंगे। 12 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। यह एक ऐतिहासिक पल होगा।

> तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर से के.सी वेणुगोपाल के पोस्टर हटाए गए।

शपथ लेते वक्त स्पीच देने लगे तो राज्यपाल ने टोका, पहला ऑर्डर 200 यूनिट फ्री बिजली का

विजय तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) चीफ और एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने रविवार सुबह 10.15 बजे तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। थलापित विजय शपथ लेते समय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे। इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया। केवल निर्धारित शपथ के शब्दों तक सीमित रहने के लिए कहा। CM विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मल-कुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना शामिल है। ये सभी विजय की पार्टी TVK के विधायक हैं। टीवीके नेता एमवी करुप्पैया को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। राज्यपाल ने CM विजय को 13 मई को विश्वास मत हासिल करने को कहा है। CM बनते ही विजय एक्शन में आए और दस्तावेजों का पहला सेट साइन किया। इनमें 200 यूनिट फ्री बिजली देने, महिला सुरक्षा दल और एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने के आदेश शामिल हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

- राहुल गांधी के साथ एक्टर विजय। टीवीके सरकार को कांग्रेस ने समर्थन दिया है।
- विजय ने मुख्यमंत्री बनने के बाद दस्तावेजों के पहले सेट पर साइन किए।

नवीन पटनायक ने विजय को बधाई दी

बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, विजय को CM बनने पर बधाई। उम्मीद है कि तमिलनाडु नई लीडरशिप के नेतृत्व में और ऊंचाइयों पर पहुंचेगा और तेजी से विकास करेगा।

शनिवार को चौथी बार राज्यपाल से मिले थे विजय

इससे पहले शनिवार को विजय ने राज्यपाल अर्लेकर को TVK, कांग्रेस, CPI, CPM, VCK और IUML के विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया।

अपील : भारत में तेल के बड़े-बड़े कुएं नहीं ■ आज वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत

पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु/हैदराबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। पीएम ने हैदराबाद में कहा- भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो है, वहां लोग मेट्रो का इस्तेमाल करें। आज हमें मीटिंग के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। पीएम ने हैदराबाद में रविवार को बीजेपी की रैली के दौरान ये बातें कही। इससे पहले आज बेंगलुरु में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने DMK की पीठ में छुरा घोंपा है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है। कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कर्नाटक में पिछले तीन साल से यही स्थिति देखने को मिल रही है। कांग्रेस और DMK के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

> नरेंद्र मोदी ने सिकंदराबाद की जनसभा में कहा- असम से ओडिशा और बंगाल से पुडुचेरी तक बीजेपी का विस्तार सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि देश की राजनीतिक सोच में आए बदलाव का संकेत है। जनता अब वंशवाद और परिवारवाद नहीं, विश्वासवाद चुन रही है।

मोदी बोले- पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए मेट्रो और कार पूलिंग अपनाएं

नरेंद्र मोदी ने कहा कि देशहित में जरूरत पड़ने पर फिर से वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट में विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष जोर देना होगा। PM मोदी ने कहा, "दुनिया में पेट्रोल-डीजल और फर्टिलाइजर की कीमतें बहुत बढ़ चुकी हैं, लेकिन हमारी सरकार पिछले दो महीनों से इसका बोझ खुद उठा रही है।"

हैदराबाद में मोदी के स्पीच की 3 बड़ी बातें

- आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का बड़े संयम के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हमें इंपोर्टेड पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल केवल आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए।
- कोरोना काल में देश ने वर्क फ्रॉम होम की जो व्यवस्था विकसित की। आज समय की मांग ऐसी है कि अगर हम इन व्यवस्थाओं को फिर से शुरू करें तो यह देश के हित में होगा।
- 75 साल बाद असम में भाजपा सरकार ने हैट्रिक हासिल कर ली है। पुडुचेरी में भी भाजपा-एनडीए सरकार फिर से सत्ता में लौट आई है। इस जीत के बाद मैं तेलंगाना के लोगों की भावनाओं को भी देख रहा हूं।

आईएसआई से जुड़े एमपी के 3 युवक गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस का खुलासा- मंदिर, ढाबा और मिलिट्री कैंप उड़ाने वाले थे

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े होने का दावा करते हुए एमपी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि ये लोग दिल्ली का ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे। इनकी पहचान टीकमगढ़, नेगुवां (पृथ्वीपुर थाना) निवासी अनमोल राय (24), ग्वालियर, डबरा निवासी राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में की गई है। तीनों को दिल्ली पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई। एसीपी स्पेशल सेल दिल्ली पीएस कुशवाहा के मुताबिक, तीनों ही आरोपी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। तीनों के मोबाइल के ऑडियो, वीडियो कॉल से संदिग्ध नंबरों पर बात किए जाने, सोशल मीडिया से खास स्थानों के तस्वीरें पाकिस्तान भेजे जाने की पुष्टि हुई है। आरोपियों के मोबाइल से कई संदिग्ध ई-मेल भी मिले हैं। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों को आतंकी साजिश में जोड़ने के एवज में क्या मिला था। तीनों की गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में विजय

शाबंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब प्रतीक्षा है अप्रत्याशित चुनाव परिणाम वाले दूसरे राज्य तमिलनाडु में सरकार गठन की। चूंकि टीवीके नेता जोसेफ विजय ने डीएमके से छिटकने वाली कांग्रेस, माकपा, भाकपा, वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सहयोग से समर्थन जुटा लिया है, इसलिए उनके मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने में संदेह नहीं। विजय का अभिनेता से नेता बनकर एक तरह से आनन-फानन मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं। उन्होंने दो वर्ष पूर्व अपने दल का गठन किया और पहले ही प्रयास में सत्ता की कुर्सी तक पहुंच गए। उनकी जीत यह बताती है कि तमिलनाडु में फिल्म कलाकारों के प्रति लोगों की एक अलग तरह की दीवानगी रहती है। इसी के चलते करुणानिधि और एमजीआर से लेकर जयललिता जैसी फिल्मी हस्तियों ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। फिलहाल यह कहना कठिन है कि विजय मुख्यमंत्री के रूप में कैसी राजनीतिक छाप छोड़ते हैं, क्योंकि उन्हें प्रशासन चलाने का कोई अनुभव नहीं। उनकी सरकार पांच दलों के सहयोग पर टिकी होगी, इसलिए एक अभिनेता के रूप में तमाम लोकप्रियता के बाद भी उनके लिए शासन चलाना बहुत आसान नहीं होगा। यह ठीक है कि तमिलनाडु अपेक्षाकृत एक समृद्ध राज्य है, लेकिन विजय ने जिस तरह थोक के भाव लोक-लुभावन वादे कर रखे हैं, उसे देखते हुए उनके लिए उन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा।

आखिर आर्थिक दृष्टि से सक्षम तमिलनाडु में नेताओं को इतने अधिक लोक-लुभावन वादे क्यों करने पड़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में यही अधिक दिखता है कि राज्य का एक तबका अभी भी निर्धनता की परिधि में ही बना हुआ है। यह एक विसंगति ही है। इसमें संदेह है कि रेवड़ियां बांटकर निर्धनता को दूर किया जा सकता है। विजय के मामले में यह भी देखना होगा कि वे द्रविड़ दलों की तरह से ही अपनी राजनीति चलाते हैं या फिर कोई नई राह पकड़ते हैं? द्रविड़ पार्टियों के बारे में यह किसी से छिपा नहीं कि वे हिंदी विरोध के साथ दिल्ली यानी केंद्रीय सत्ता से टकराव मोल लेने की राजनीति करती रही हैं और तमिल अस्मिता के नाम पर तमिलवाद को इस तरह उभारने की भी कोशिश करती रहीं, जैसे यह राज्य शेष देश से विशिष्ट हो।

इस तमिलवाद में क्षत्रीय संकीर्णता के साथ प्रायः एक तरह के अलगाववाद की भी बू आती रही है। फिलहाल यह जानना कठिन है कि ईसाइयत को मानने वाले जोसेफ और उनके राजनीतिक दल की विचारधारा क्या है? क्या यह अजीब नहीं कि वे भाजपा को तो धार्मिक पार्टी मानते हैं, लेकिन मुस्लिम लीग को नहीं? वास्तव में विजय को लेकर एक नहीं कई सवाल हैं। इनमें से एक यह भी है कि कहीं उनके सत्ता में आने से ईसाई मिशनरियों का मतांतरण अभियान और तेज तो नहीं हो जाएगा?

चुनावी नतीजों से अधिक महत्वपूर्ण हैं हटाए गए मतदाता

> यदि वे जीत जाते तो क्या इसका मतलब यह होता कि नाम मिटाना और मताधिकार से वंचित करना मायने नहीं रखता? मतदान का अधिकार रखने वाले किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हट जाना मतदाता सूची में दर्ज सभी लोगों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

मतदान का अधिकार रखने वाले किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हट जाना मतदाता सूची में दर्ज सभी लोगों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। याद कीजिए, अप्रैल 2026 में पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआ-ईआर) से संबंधित सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने उन स्थितियों पर चिंता जताई थी जहां नाम हटाए जाने की संख्या जीत के अंतर से अधिक हो सकती है। भारत में विपक्षी दल या तो भोले हैं या फिर हमें इस नतीजे पर पहुंचना होगा कि 'वोट चोरी' का नारा लगाते समय वास्तव में वे ईमानदार नहीं हैं। अगर वे वाकई 'वोट चोरी' और बड़े पैमाने पर लक्षित मतदाता सूची से नाम हटाने की बात पर यकीन करते हैं तो वे इन फर्जी चुनावों में हिस्सा क्यों ले रहे हैं और उन विधानसभाओं में क्यों बैठे हैं जिनका चुनाव 'वोट चोरी' और मतदाता सूची से नाम हटाने के आधार पर हुआ है? यह तर्क उचित है कि चुनावों में निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया पर उठ रहे गंभीर सवालों के मद्देनजर पूरे विपक्ष को चुनावों का बहिष्कार करना चाहिए और लोकसभा व सभी राज्य विधानसभाओं से इस्तीफा दे देना चाहिए। इससे जनता की नजरों में भाजपा की वैधता खत्म हो जाएगी। ममता बनर्जी के रुख के बारे में बात करें। अगर वे वाकई घोषित जनादेश को अस्वीकार करने को लेकर गंभीर हैं और इस्तीफा देने से इंकार करती हैं तो इसका मतलब है कि वे नवगठित विधानसभा को मान्यता नहीं देतीं जिसका सीधा मतलब है कि वे निवर्तमान विधानसभा को अभी भी वैध मानती हैं। ऐसे में उन्हें यह कहना चाहिए कि इस अवैध चुनाव में चुने गए उनके दल के सभी लोग सदन से इस्तीफा दे दें और उनका इस्तीफा दिलवा देना चाहिए। तब ममता का दावा मजबूत लगेगा। अगर आप कहें कि 'मेरी पार्टी के विजेता ठीक हैं लेकिन आपकी पार्टी के विजेता अवैध रूप से चुने गए हैं', तो इससे उनके इस दावे के बारे में क्या पता चलता है? अगर वे जीत भी जातीं तो भी नतीजों को अस्वीकार करना ही सही तर्क होता क्योंकि चाहे कोई भी जीता हो या हारा हो, 93 लाख वोटों को रद्द करना और 27 लाख लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित करना पूरी प्रक्रिया को बिगाड़ देता है। अगर यही उनका रुख होता तो इसे वास्तविक माना जाता और उनके इस रुख को पूरे भरोसे के साथ लिया गया कदम समझा जाता। दुर्भाग्य से अब उन पर हार को स्वीकार न करने का आरोप लग सकता है। बड़े पैमाने पर वोटों को रद्द किए जाने और 'विचाराधीन श्रेणी' के मतदाताओं की बड़ी तादाद को वोट डालने से रोके जाने के बाद अब समय आ गया है कि सभी विपक्षी दल एक साथ बैठें और गंभीरता से विचार करें। बिहार और राहुल गांधी के नेतृत्व में हुई 'वोट अधिकार' यात्रा पर विचार करें। इस यात्रा को 'हमारे लोकतंत्र के सबसे पवित्र अधिकार 'मतदान के अधिकार की रक्षा' के लिए एक सामूहिक लड़ाई' के रूप में वर्णित किया गया था। इस यात्रा ने 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी और 20 से अधिक जिलों को कवर किया जिसका उद्देश्य 'मतदाता सूची में हेरा-फेरी को उजागर करना और चुनाव आयोग से त्रुटिरहित मतदाता सूचियों की मांग करना' था। उमड़ती भीड़ को देखकर कांग्रेस को लगा कि वे किसी तरह जीत जाएंगे। तो इसका अर्थ यह है कि वंचित लोगों के बजाय चुनाव में जीत ज़्यादा मायने रखती थी। यदि वे जीत जाते तो क्या इसका मतलब यह होता कि नाम मिटाना और मताधिकार से वंचित करना मायने नहीं रखता? मतदान का अधिकार रखने वाले किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हट जाना मतदाता सूची में दर्ज सभी लोगों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। याद कीजिए, अप्रैल 2026 में

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने उन स्थितियों पर चिंता जताई थी जहां नाम हटाए जाने की संख्या जीत के अंतर से अधिक हो सकती है जो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गहन जांच की आवश्यकता को आमंत्रित करता। इसका एक निहितार्थ यह है कि नाम हटाए जाने का मुद्दा केवल उन लोगों की प्राथमिकताओं के आधार पर बनता है जिनका नाम नहीं हटाया गया है! यदि मतदाता सूची में शामिल लोग किसी पार्टी/उम्मीदवार को चुनते हैं और उस पार्टी/उम्मीदवार की जीत का अंतर हटाए गए नागरिकों की संख्या से कम है तो क्या हटाए गए लोगों का कोई महत्व है? ध्यान देने वाली बात है कि बिहार में चुनाव परिणाम आने के बाद मतदाता सूची से हटाए गए लोगों के बारे में अब कोई बात नहीं करता तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी जैसे राज्यों में भी ऐसी ही कहानी दोहराई जा रही है जहां चुनाव तो हुए लेकिन विवाद उतना नहीं है। वहीं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी यही हाल है जहां चुनाव नहीं हुए लेकिन एसआईआर लागू था और वहां 2.8 करोड़ लोगों के अकाउंट डिलीट किए गए- इन लोगों के बारे में क्या विचार किया जा रहा है? कोई राजनीतिक दल, मीडिया, यहां तक कि तथाकथित स्वतंत्र डिजिटल प्लेटफॉर्म भी इनके बारे में बात नहीं करते। दूसरे शब्दों में कहें तो जब चुनाव ही नहीं हैं तो 2.8 करोड़ लोगों का हमारे लिए कोई महत्व नहीं है? चुनाव विश्लेषण जब तक यह संस्थागत कब्ज़ा टूट नहीं जाता, चुनावों का बहिष्कार करना और विधानसभाओं से इस्तीफा देना सुनने और देखने में तो आदर्श लगता है लेकिन व्यावहारिक समाधान प्रतीत नहीं होता। वास्तविक जीवन में आदर्श और व्यावहारिक होने का मेल बहुत कम ही होता है। हमारे देश के जनजीवन में यही वह क्षण है जब ऐसे मेल की सख्त जरूरत है। हमारे गणतंत्र के इस मोड़ पर जब हम एक गहरे संकट का सामना कर रहे हैं तो प्रेक्टिकल होना ही आदर्श है और आदर्श ही प्रेक्टिकल है। यदि हम ममता बनर्जी को एक सच्चा योद्धा मानते हैं तो उन्हें यह तय करना चाहिए कि उनके सभी नव निर्वाचित विधायक इस्तीफा दे दें या उस नई विधानसभा में शपथ लेने से इंकार कर दें जिसकी वैधता पर वे सवाल उठा रही हैं। तब वे विश्वसनीय साबित होंगी अन्यथा उन पर यह आरोप लग सकता है कि वे केवल एक हारी हुईं नेता हैं। लेकिन क्या विपक्ष इस चुनौती का सामना कर सकता है? अब यह सामान्य स्थिति नहीं रही। असाधारण समय में असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है। आखिरकार लोकतंत्र दांव पर लगा है। यह हमारा गणतंत्र है, हमने संविधान स्वयं को सौंपा है। 1950 में हमारे बीच परस्पर किए इस वादे को केवल एक शांतिपूर्ण, गांधीवादी जमीनी आंदोलन ही बचा सकता है। उस वादे में निहित मूल्य-स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, न्याय, धर्मनिरपेक्षता केवल उसी के माध्यम से संरक्षित किए जा सकते हैं। हममें से प्रत्येक को लोकतंत्र और भारत के विचार को बचाने का निर्णय लेना होगा और इसके लिए काम करना पड़ेगा। याद रखें कि इस भूमि पर रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस देश का मालिक है। यह किसी एक संप्रदाय, धर्म, जाति, पंथ, क्षेत्र, रंग, खान-पान और परंपराओं का नहीं है। यह सबका है। भारत के इस विचार से असहमत ताकतों ने इस पर आक्रमण किया और इसे कमजोर करने के लिए सौ वर्षों तक काम किया। आज भारत के मूल स्वरूप की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है - एक ऐसा देश, एक ऐसा क्षेत्र, एक ऐसा स्थान जो सभी के लिए उपलब्ध है और होना चाहिए।

■ डॉ.परकाला प्रभाकर

लोक संस्कृति में सामाजिक समरसता

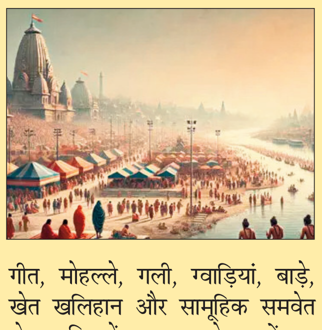

लोक संस्कृति हमारी सामाजिक समरसता और सभ्यता को जीवित रखने का सबसे बड़ा घटक है। इसे हर जगह जीवित रखने और बचाने के उपाय, उपादान और उद्यम करने के लिए हमें लोगों को लोकचेतना के माध्यम से जागरूक करना होगा, जिससे जीवन, जगत और समाज की एक रस निष्पत्ति हर मनुष्य के लोक मंगल का रस सबको दिला सके। वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी और तकनीकी विकास के कारण उपजे सोशल मीडिया विमर्श और भूमंडलीक-रण के दौर में अब लोक और अभिजात्य के बीच कोई सर्वमान्य विभाजक रेखा खींचना आसान नहीं है। दूसरी यह बात भी विचारणीय है कि क्या इस समय में अब लोक बचा हुआ भी है या नहीं और अगर बचा हुआ तो उसका दायरा अब कितना कम बचा है क्योंकि, नए समय में जो वर्ग पहले निम्न वर्ग में था वह अब उठकर मध्य वर्ग में आ गया है और मध्य वर्ग अपने आपको लोक का नहीं समझता, वह खुद को अभिजात्य मानने लगा है इसलिए यह जानना और समझना जरूरी है कि क्या लोक अब बहुत सीमित हो रहा है यदि मुझे कहना हो तो मैं उत्तर हां में दूंगा। दरअसल लोक संस्कृति में हमारी बोली, तीज त्यौहार, कहावतें, लोक मान्यताएं, शादी ब्याह, रीति रिवाज़, लोक व्यवहार, दुःख दर्द, प्रसन्नता, खानपान, गाली, लोक गीत, मोहल्ले, गली, ग्वाड़ियां, बाड़े, खेत खलिहान और सामूहिक समवेत चेतना जिसमें मनुष्यता के स्वरों का स्पन्दन हो। लोक जीवन और संस्कृति को सच में देखना हो तो वह हमें ग्रामीण लोक अंचल में ही दिखेगा, नगरीय सभ्यता में तो एक कृत्रिमता के आवरण में कहीं विलुप्त हो गई है। मुझे तो कभी-कभी लगता है क्या अब कोई लोक बचा हुआ है यह थोड़ा अतिरंजक ज़रूर है, किन्तु लोक संस्कृति के बारे में हमें सोचने को विवश करती हैं। लोक संस्कृति और समरसता के उदाहरण और दृश्यों की कितनी झलकियां हमें दिखती थी जैसे घर में सामान खत्म होने पर अपने पड़ोसी से कुछ मांगना चाय की पत्ती, शकर, थोड़ा दूध, रूपये-पैसे, धनिया, मिर्च,आलू, प्याज़ लेकिन अब ऐसा नहीं दिखता, सभ्यता के इस युग में कितने महान प्रबंधक हो गए सब, क्या अब हमारी आकस्मिकता को भी नए समय में खत्म कर दिया है।

■ राजेश सक्सेना

जन सुराज का...

संजय गुप्त

बंगाल को पटरी पर लाने की चुनौती

पश्चिम बंगाल में जैसे ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी, वैसे ही ममता बनर्जी ने उसका उग्र विरोध करना शुरू कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। शीर्ष अदालत ने एसआइआर को न केवल सही माना, बल्कि उसे जारी रखने के आदेश भी दिए। यही नहीं उसने इस प्रक्रिया की निगरानी न्यायिक अधिकारियों को भी सौंप दी। जब चुनाव आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की तो उसका भी ममता ने विरोध किया, जबकि यदि चुनाव के पहले और चुनाव के समय हिंसा नहीं हुई तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है। इसके बाद भी ममता ने अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ा। इस्तीफा देने से इन्कार करके उन्होंने बचकाने राजनीतिक व्यवहार का ही परिचय दिया है। निःसंदेह अन्य राज्यों की तरह बंगाल में भी मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाले लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, लेकिन इसके आधार पर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी एसआइआर के कारण हारी। यह आरोप इस तथ्य से झूठा साबित होता है कि जिन 20 सीटों पर सबसे अधिक नाम काटे गए, उनमें से 13 में टीएमसी जीती। इससे इन्कार नहीं कि एसआइआर में कुछ विसंगतियां रही होंगी, क्योंकि कोई भी प्रक्रिया सौ प्रतिशत सही नहीं होती, पर टीएमसी की हार के लिए एसआइआर को दोष देना इस सच से मुंह मोड़ना है कि ममता का शासन कुशासन का पर्याय बन गया था। 15 वर्षों से सत्ता पर आसीन ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की हदें पार कर दी थीं। इसकी प्रतिक्रिया में हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद हुए और इसी कारण उसे अप्रत्याशित जीत मिली। टीएमसी की पराजय इस कारण भी हुई, क्योंकि खुद ममता भी अलोकप्रिय हो गई थीं। इसका कारण था उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से अवैध वसूली और लोगों की संपत्तियों पर कब्जा करना। बंगाल में महिला असुरक्षा का मुद्दा भी सतह पर आया, क्योंकि आरजी कर मेडिकल कालेज की डाक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या

और संदेशखाली में हिंसा एवं महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इससे टीएमसी के प्रति सत्ता विरोधी माहौल और अधिक गहराया। ममता अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय जिस तरह यह कह रही हैं कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है, वह उनकी खीझ ही है। बंगाल में आजादी के बाद पहले कुछ दशकों तक कांग्रेस का शासन रहा, फिर वाम दल तीन दशक से भी अधिक समय तक सत्ता में रहे। जब वाम दलों का शासन कुशासन का पर्याय बना तो लोगों ने परिवर्तन के नारे के साथ उन्हें चुनौती देने वाली ममता का साथ दिया, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने भी वाम दलों वाले तौर-तरीके अपना लिए। इसका एक कारण यह भी रहा कि वाम दलों के तमाम नेता और कार्यकर्ता टीएमसी में आ गए थे। एक समय जो ममता बांग्लादेशी घुसपैठियों का विरोध करती थीं, वही सत्ता पाने और उसे बनाए रखने के लोभ में उनकी अनदेखी करनी लगीं। वे इस सच से इन्कार करती रहीं कि बांग्लादेश से घुसपैठ होती है। वे घुसपैठियों का बचाव करने लगीं, जबकि हिंदू समाज यह देख रहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने किस तरह असम की तरह बंगाल के सीमांत क्षेत्रों में डेमोग्राफी बदल दी है। डेमोग्राफी में यह बदलाव सामाजिक असंतुलन पैदा करने और हिंदू अस्मिता को चोट पहुंचाने के साथ राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रहा था। जैसे बंगाल में घुसपैठ एक चुनावी मुद्दा बनी, उसी तरह असम में भी और इसी कारण भाजपा वहां तीसरी बार जीती। बांग्लदेश में पिछले दिनों जो राजनीतिक उथलपुथल एवं हिंसा हुई और जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका भी बंगाल के हिंदुओं पर असर पड़ा। उन्हें लगा कि बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली सरकार बननी चाहिए। पता नहीं क्यों ममता यह भूल गईं कि वाम दलों को भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने की कीमत चुकानी पड़ी थी? भाजपा ने घुसपैठियों को निकालने का नारा देकर जो नैरेटिव खड़ा किया, उसने इसलिए काम किया, क्योंकि बंगाली हिंदू अपने आसपास और खासकर सीमावर्ती जिलों में घुसपैठियों का दखल देख रहे थे। बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों वाली सरकार के गठन से न केवल राज्य का बिगड़ा माहौल सुधरना चाहिए, बल्कि घुसपैठ पर भी रोक लगनी चाहिए। आशा है कि भाजपा सरकार के रहते बांग्लदेश के साथ अनसुलझे मसले सुलझाने में भी मदद मिलेगी। बंगाल को राजनीतिक और चुनावी हिंसा की संस्कृति से मुक्त करना राज्य की नई सरकार के एजेंडे में खास तौर पर होना चाहिए। यह आसान नहीं, क्योंकि राज्य की राजनीति एक तरह से हिंसा और दबंगई के सहारे ही संचालित होती रही है। यह दुर्भाग्य की बात रही कि टीएमसी के शासन में भी यह अराजक राजनीतिक संस्कृति और फली-फूली। इसके लिए ममता अपने अलावा किसी अन्य को दोष नहीं दे सकतीं। बंगाल में चुनाव बाद जो हिंसा देखने को मिली और जिसके चलते कुछ भाजपा समर्थकों के साथ सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या की गई, उसके लिए टीएमसी अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। भाजपा को सावधान रहना होगा कि उसके जो कार्यकर्ता और समर्थक टीएमसी से आए हैं, वे हिंसा और दबंगई की राजनीतिक संस्कृति न अपनाने पाएं। ध्यान रहे खुद सुवेंदु अधिकारी एक समय टीएमसी के प्रमुख नेता और ममता के विश्वासपात्र थे। स्पष्ट है कि भाजपा को अपने संग आए टीएमसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के कार्य-व्यवहार के प्रति सतर्क रहना होगा। उसे यह भी देखना होगा कि टीएमसी का अराजक प्रवृत्ति वाला काडर भाजपा में न आने पाए। यदि भाजपा इसे लेकर सचेत नहीं रहती तो राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को खत्म करने में कठिनाई होगी।

इससे जनता के...

सौरभ वार्ष्णेय

पांच राज्यों के बाद इंडिया गठबंधन की खुली कलई

देश की राजनीति में विपक्षी एकता के बड़े दावे के साथ बना इंडिया गठबंधन अब लगातार अंतर्विरोधों और नेतृत्व संकट से जूझता दिखाई दे रहा है। जिस गठबंधन को लोकतंत्र बचाने और सत्तारूढ़ दल को चुनौती देने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, वही आज आपसी अविश्वास, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और विचारधारात्मक टकराव का शिकार बनता जा रहा है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल सत्ता विरोध की राजनीति किसी गठबंधन को लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकती। वहीं बड़े स्तर पर आपसी बैठक व अपने मनमुटाव दूर कर गठबंधन का धर्म निभायें नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि यह विपक्षी राज्यस्तर वार धीरे धीरे अपनी भूमि भी खो बैठेंगे? इंडिया गठबंधन का पूरा नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस है। हिंदी में इसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन कहा जाता है। इसकी स्थापना 18 जुलाई 2023 को इस उद्देश्य के साथ की गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ एकजुट होकर हराना है ताकि सत्ता हासिल की जा सकें जिसमें कुछ हद तक २४० तक रोकने में सफल हुए। इस गठबंधन में लगभग ३० विपक्षी दल थे। लोकसभा के बाद राज्यों में यही विपक्षी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप में मशगूल होकर जीतने चले थे लेकिन मिला क्या ? विपक्षी पार्टी के मुख्य चेहरे जो पार्टियां के मुख्य भी हैं, वह अपने दल को भी हरा बैठे और यहां तक कि खुद भी हार गये, यानी हारने के बाद फिर इंडिया गठबंधन की याद आने लगी। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका स्पष्ट नेतृत्व न होना है। अलग-अलग राज्यों में दलों की अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। बंगाल में अपनी राजनीति को प्राथमिकता देती हैं तो दिल्ली और पंजाब के समीकरणों को लेकर अलग रणनीति अपनाते हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी सहयोगी दलों में पूर्ण सहमति दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप गठबंधन का साझा एजेंडा लगातार धुंधला पड़ता जा रहा है। विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर पैदा होने वाले विवादों ने भी गठबंधन की कमजोरी उजागर कर दी है। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते नजर आए। इससे जनता के बीच यह संदेश गया कि गठबंधन केवल चुनावी मजबूरी का प्रयोग है न कि किसी वैचारिक प्रतिबद्धता का मंच। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष आवश्यक होता है लेकिन विपक्ष तभी प्रभावी बन सकता है जब उसमें स्थिरता, स्पष्ट नीति और भरोसा हो। जनता अब केवल सरकार विरोधी नारों से संतुष्ट नहीं होती। देश के मतदाता रोजगार, महंगाई, विकास, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण चाहते हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों पर एकजुट होकर विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पाता तो उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता सीमित रह जाएगी।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

रवि यादव

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार ने उठाये है ठोस कदम

पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम सभी रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। बढ़ते औद्योगीकरण के विभिन्न आवामों, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने के उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून को मनाया जाता है। इस मौके पर विभिन्न देश अलग अलग तरीके से पर्यावरण को लेकर अपने नागरिकों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। पर्यावरण दिवस मनाने की नींव 1972 में पड़ी, जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहला पर्यावरण दिवस मनाया है और हर साल इस दिन को मनाने का एलान किया। विश्व में पहला पर्यावरण सम्मेलन 5 जून 1972 को मनाया गया था, जिसमें 119 देशों ने भाग लिया था। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मेलन हुआ था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन के पहले दिन को चिन्हित करते हुए 5 जून को पर्यावरण दिवस के तौर पर नामित कर लिया। पूरे विश्व में प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्राकृतिक जीवन जीने के लिए सभी जीव को हर जरूरी चीज प्रकृति उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन भी प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाते हुए आमजन को जागृत किया जाता है। प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की एक खास थीम होती है। पिछले साल यानी विश्व पर्यावरण दिवस 2023 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित थी। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की थीम ष्ल्ंदक त्मेजवतंजपवदए क्मेमतजपपिबंजपवद ।दक क्तवनहीज त्मेपसपमदबमष् है। इस थीम का फोकस ''हमारी भूमि'' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित रहा। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम इन्ंिडंग ग्लोबल प्लास्टिक पॉल्यूशन (म्दकपदह ळसवइंस च्संेजपब च्वससनजपवद) पर आधारित थी। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व से प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। अधिक पेड़ लगाना और प्रकृति की रक्षा करना प्रमुख है। विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह कई गैर-सरकारी संगठनों, व्यवसायों, सरकारी संस्थाओं द्वारा समर्थित है। 5 जून, 1973 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था तभी से ही यह समुद्री प्रदूषण, अधिक जनसंख्या, ग्लोबल वार्मिंग, टिकाऊ विकास और वन्यजीव अपराध जैसे पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का एक मंच रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस सार्वजनिक आउटरीच के लिए एक वैश्विक मंच है, जिसमें सालाना 150 से अधिक देशों की भागीदारी होती है। प्रत्येक वर्ष, कार्यक्रम ने पर्यावरणीय कारणों की वकालत करने के लिए व्यवसायों, गैर सरकारी संगठनों, समुदायों, सरकारों और मशहूर हस्तियों के लिए एक थीम और मंच प्रदान किया है। पर्यावरण को सुधारने हेतु यह दिवस महत्वपूर्ण है जिसमें पूरा विश्व रास्ते में खड़ी चुनौतियों को हल करने का रास्ता निकालता हैं। लोगों में पर्यावरण जागरूकता को जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है। वर्ष 2024 मे पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए निर्धारित थीम के अन्तर्गत विश्व के देशों ने विशेष बल दिया है। मरूस्थली-करण, भूमि क्षरण और सूखा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता व आजीविका के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, जिससे पारिस्थितिक रूप से सुदृढ़ भूमि प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना अनिवार्य हो जाता है। प्रत्येक बीते वर्ष के साथ, इन चुनौतियों से निपटने की तात्कालिकता और अधिक स्पष्ट हो जाती है, जिससे हमें उनके प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व की अनुभूति होती है। वर्ष 2025 की थीम के तहत प्लास्टिक प्रदूषण रोकने पर जोर दिया गया और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने पर बल दिया गया। देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अपील ''एक पेड़ माँ के नाम'' लगाने का असर देशवासियों पर पड़ा और उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2025 में 37.21 करोड़ पौधे रोपित किये गये। इससे प्रदूषण रोकने और धरती का वनावरण बढ़ेगा। भूमि संसाधनों के लिए मरूस्थलीकरण सबसे घातक खतरों में से एक है, जो चुपचाप पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और आजीविका पर अतिक्रमण कर रहा है। पुनर्वनीकरण और वनीकरण की पहल मरू भूमि को बहाल करने और मरूस्थलीकरण को कम करने, वन्यजीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करने और कार्बन पृथक्करण लाभ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि वानिकी, संरक्षण कृषि और एकीकृत जल प्रबंधन जैसी टिकाऊ कृषि प्रथाएं मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने, सूखे के प्रति लचीलापन बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने में योगदान करती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में प्रकृति के विभिन्न श्रोतों के दोहन को रोकने, अपनी भूमि को उपजाऊ एवं प्राकृतिक स्तर पर लाने के लिए अनेको कार्य किये जा रहे है।

डोपिंग नियमों के उल्लंघन पर बैन, रेसलिंग फेडरेशन ने कहा- उनके व्यवहार से शर्मिंदगी हुई

विनेश फोगाट पर 26 जून तक घरेलू टूर्नामेंट खेलने पर रोक

जींद, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) ने ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट पर 26 जून तक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन खेलने पर बैन लगा दिया है। WFI ने शनिवार को फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया। WFI ने शनिवार को जारी 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे WFI संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। WFI ने कहा- उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हुई। साथ ही विनेश से

चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा और पूछा कि कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अगस्त 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में ओवर वेट पाए जाने पर विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई किया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया। इधर, 18 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में हुए डोप टेस्ट में शामिल न होने पर इसी महीने 4 मई को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ITA) ने विनेश फोगाट को नोटिस जारी किया था।

पिछले डेढ़ साल से मैट से दूर थी

विनेश ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा- आप सब को नमस्कार। जैसा की सभी को पता है कि पिछले डेढ़ साल से मैं रेस्लिंग मैट से काफी दूर थी। लेकिन अब कुछ महीनों से मैं रेसलिंग की तैयारियां कर रह रही हूं। बड़ी मेहनत और ईमानदारी से मेहनत कर रही हूं। जैसे मैंने पहले देश के लिए मेडल जीते, परमात्मा के आशीर्वाद से, आप सबके सहयोग से फिर से रेसलिंग मैट पर जाऊं और देश के लिए ढेर सारे मेडल जीतूं और देश के तिरंगे का मान बनाए रखूं।

बता दें कि करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया था। विनेश हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं।

बृजभूषण भाजपा के पूर्व सांसद हैं। वर्तमान में उनका एक बेटा यूपी से सांसद और एक विधायक है।

ओपनर यशस्वी और शेफाली ने डोप टेस्ट मिस किया

नाडा ने बीसीसीआई को नोटिस जारी किया, जवाब मांगा, बोर्ड प्लेयर्स से वजह पूछेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नेशनल डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) ने पिछले साल डोप टेस्ट के लिए उपलब्ध न रहने पर नोटिस जारी किया है। प्लेयर्स ने नाडा को अपनी लोकेशन की जानकारी नहीं दी थी। यह इन प्लेयर्स का पहला वेयरअबाउट्स फेलियर है। यशस्वी-शेफाली नाडा के 'रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल' (RTP) का हिस्सा हैं। नियम के मुताबिक इस पूल में शामिल खिलाड़ियों को हर दिन एक निश्चित समय और स्थान की जानकारी साझा करनी होती है, ताकि उनका औचक परीक्षण किया जा सके। इन दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट मिस होने का कोई ठोस कारण नहीं बताया, जिसके बाद नाडा ने BCCI और ICC को इस बारे में सूचित कर दिया है। BCCI के एक सूत्र ने इसकी

पुष्टि की है। उसने कहा-बोर्ड खिलाड़ियों से इस चूक की वजह पूछेगा। BCCI के सूत्र ने कहा, 'क्रिकेट अब ओलिंपिक (LA 2028) का हिस्सा है, इसलिए हमें सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।' फिलहाल यशस्वी IPL में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, जबकि शेफाली हाल ही में दक्षिण अफ्रीका दौरे से लौटी हैं। नाडा के नियमों के अनुसार, अगर कोई एथलीट 12 महीने के भीतर तीन बार टेस्ट मिस करता है या अपनी लोकेशन की सही जानकारी नहीं देता है, तो इसे एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन माना जाता है। तीन बार की विफलता पर खिलाड़ी पर प्रतिबंध (सस्पेंशन) भी लग सकता है। यशस्वी और शेफाली के लिए यह पहली विफलता है, लेकिन भविष्य के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अगर खिलाड़ी संतोषजनक जवाब देते हैं तो मामला चेतावनी तक सीमित रह सकता है। वर्तमान तिमाही के लिए नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (RTP) में कुल 348 एथलीट हैं, जिनमें 13 भारतीय क्रिकेटर शामिल हैं। हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप के स्टार अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस लिस्ट में जोड़ा गया है। साथ ही शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा भी इस निगरानी सूची में हैं।

फास्ट न्यूज

एल्विश यादव से 10 करोड़ की रंगदारी मांगी

गुरुग्राम। यूट्यूबर एलविश यादव से लॉरेंस गैंग ने 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। विदेशी नंबर से उन्हें धमकी भरा मैसेज भेजा गया। एलविश अभी लाफ्टर सेफ नाम का शो कर रहे हैं। शो की शूटिंग के चलते अभी एलविश अभी गुरुग्राम से बाहर है। पारिवारिक सदस्यों का कहना है कि आरोपी ने धमकी में कहा– 2 दिन में पैसे नहीं दिए गए तो गोली मार देंगे। मामले की सूचना पर सेक्टर 56 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंडोनेशिया बना क्रिकेट का नया हब

जकार्ता। बैडमिंटन के लिए मशहूर इंडोनेशिया क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाने में जुटा है। वही इंडोनेशिया, जिसने ओलिंपिक में बैडमिंटन के जरिए आठ गोल्ड जीते और दुनिया को कई बड़े खिलाड़ी दिए, अब क्रिकेट में रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है। यह मानना मुश्किल लगता है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों से ज्यादा टी20 कोई और देश खेल सकता है, लेकिन 2025 में इंडोनेशिया ने ऐसा कर दिखाया। उसकी पुरुष टीम ने एक साल में 45 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले, जो किसी टीम द्वारा एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा हैं। इंडोनेशिया ने कंबोडिया के खिलाफ नौ मैचों की सीरीज 8-0 से जीती। पिछले चार वर्षों में क्रिकेट ने वहां तेजी से जगह बनाई है। 17 हजार से ज्यादा द्वीपों और करीब 28 करोड़ आबादी वाले इस देश में अब ढाई लाख से ज्यादा लोग क्रिकेट खेल रहे हैं। इंडोनेशिया क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अभिराम एस यादव कहते हैं।

अटल पेंशन योजना के 11 साल पूरे

नई दिल्ली। अटल पेंशन योजना (APY) को आज यानी 9 मई को 11 साल हो गए हैं। ये स्कीम मई 2015 में शुरू की गई थी। इस योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1,000 से लेकर 5,000 रुपए की पेंशन मिलती है। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1000 से लेकर 5000 रुपए की पेंशन मिलती है। इसमें 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति इसमें निवेश कर सकता है।

धुरंधर की मेकअप आर्टिस्ट ने बदला सलमान का लुक

ईद 2027 की फिल्म में दिखेंगे एक्टर के कई दमदार और अनदेखे अवतार

मुंबई, एजेंसी

सलमान खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार वापसी की तैयारी में हैं। इस बार चर्चा सिर्फ उनकी नई फिल्म की नहीं, बल्कि उनके जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन की भी हो रही है। खबर है कि सलमान के नए लुक के पीछे वही नाम है, जिसने हाल ही में धुरंधर में अपने मेकअप और प्रोस्थेटिक्स से लोगों को चौंका दिया था। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की अपकमिंग एक्शन एंटरटेनर के लिए मेकर्स ने मशहूर मेकअप आर्टिस्ट प्रीतिशील सिंह को टीम में शामिल किया है। प्रीतिशील सिंह वही आर्टिस्ट हैं, जिनके काम की 'धुरंधर' में काफी तारीफ हुई थी। अब उन्होंने सलमान खान के लिए भी ऐसा लुक तैयार किया है, जिसे पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया। सूत्रों की मानें तो फिल्म में सलमान खान कई अलग-अलग अवतारों में नजर आएंगे। इन लुक्स

को बेहद डिटेलिंग के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि हर किरदार और एक्शन सीक्वेंस में उनका स्क्रीन प्रेजेंस अलग दिखाई दे। सलमान खुद भी अपने इस मेकओवर से काफी खुश बताए जा रहे हैं और फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। फिल्म में सलमान के साथ साउथ स्टार नयनतारा नजर आएंगी। दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शूटिंग के दौरान दोनों की केमिस्ट्री काफी अच्छी देखने को मिल रही है और मेकर्स को उम्मीद है कि यह फ्रेश जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।

बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा : कृति सेनन

महिला कलाकार बराबर मेहनत करती हैं , फिर भी फीस में बड़ा अंतर

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कलाकारों की बढ़ती फीस और प्रोडक्शन कॉस्ट को लेकर लंबे समय से बहस जारी है। अब अभिनेत्री और निर्माता कृति सेनन ने इंडस्ट्री में मौजूद जेंडर पे गैप और पैट्रिआर्की पर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि फिल्मों का बजट कम पड़ने पर सबसे पहले एक्ट्रेसेस की फीस घटाई जाती है, जबकि मेल स्टार्स की फीस पर कम असर पड़ता है। GQ India को दिए इंटरव्यू में कृति सेनन ने कहा कि बॉलीवुड में आज भी पुरुष प्रधान सोच गहराई से मौजूद है। उनके मुताबिक, कई मेकर्स फीमेल-लीड फिल्मों पर रिस्क लेने से बचते हैं। उन्हें लगता है कि महिला केंद्रित फिल्में मेल-लीड फिल्मों जितना बिजनेस नहीं कर पाएंगी। कृति ने सवाल उठाया कि जब मेहनत दोनों कलाकार बराबर करते हैं, तो फीस में इतना बड़ा अंतर क्यों रखा जाता है।

एंटूराज कॉस्ट और लग्जरी खर्च पर जताई चिंता

अभिनेत्री ने फिल्मों में बढ़ती एंटूराज कॉस्ट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कलाकारों के साथ चलने वाली बड़ी टीम, लग्जरी सुविधाएं और गैरजरूरी खर्च प्रोड्यूसर्स पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालते हैं। कृति ने मजाकिया अंदाज में कहा कि एक स्टार के लिए दो कुक और अलग शेफ रखना कई बार जरूरत से ज्यादा लगता है।

> कृति ने बताया कि कई बार फिल्मों का बजट कंट्रोल करने के लिए अभिनेत्रियों से फीस कम करने को कहा जाता है। दूसरी तरफ बड़े मेल स्टार्स की फीस और उनकी डिमांड्स पर ज्यादा सवाल नहीं उठाए जाते। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में अब भी स्टार सिस्टम को कंटेंट से ज्यादा महत्व दिया जाता है।

कहानी और टैलेंट को मिलनी चाहिए प्राथमिकता

कृति सेनन का मानना है कि फिल्मों में सबसे ज्यादा महत्व कहानी और कंटेंट को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत स्क्रिप्ट वाली फिल्मों को दर्शक जरूर पसंद करते हैं। अब निर्माता बनने के बाद वे इंडस्ट्री के आर्थिक दबाव को और करीब से समझ रही हैं। उनका कहना है कि वे ऐसी फिल्में बनाना चाहती हैं जहां टैलेंट और कंटेंट को प्राथमिकता मिले, न कि सिर्फ स्टार सिस्टम को।

लंगर हॉल में सेवा की, बोलीं- पंजाब का भरपूर प्यार मिला, प्लेऑफ में जरूर पहुंचेंगे

पीबीकेएस के लिए प्रीति जिंटा गोल्डन टेंपल में नतमस्तक

अमृतसर, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा शनिवार रात अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में माथा टेकने पहुंचीं। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर अरदास की। इस दौरान प्रीति जिंटा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में भी काफी उत्साह देखा गया। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा की। उन्होंने संगत को लंगर वितरित किया। तो हम आ गए। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और सभी

> इस दौरान उन्होंने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के लोग उन्हें प्यार से सरपंच बुलाते हैं, जो टीम के लिए गर्व की बात है। प्रीति जिंटा ने पंजाब के युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि टीम को लोगों से भरपूर प्यार और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यही प्यार खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है और टीम की सबसे बड़ी ताकत है।

मैच जीतने का प्रयास करेगी और प्लेऑफ में पहुंचेगी। सबसे बड़ा टारगेट चेज किया: टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर टी20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं, लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) के खिलाफ पंजाब ने 254/7 का विशाल स्कोर बनाया, जो इस सीजन के सबसे बड़े स्कोर में से एक है। सामना करना पड़ा है। उसे RR, GT और SRH ने हराया।

गोल्डन टेंपर के लंगर हॉल में प्रीति जिंटा ने सेवा की।

प्रीति की टीम का टूर्नामेंट में अब तक प्रदर्शन

लंबे समय तक टॉप पर रहीः आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स (PBKS) का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की और लंबे समय तक अंक तालिका में शीर्ष पर बनी रही।

लगातार 5 मैच जीतेः मौजूदा समय में पंजाब किंग्स 10 मैचों में 6 जीत, 3 हार और 1 रद्द मैच के साथ 13 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। उनका नेट रन रेट (NRR) +0.571 है। टीम ने अपने पहले 6 मैचों में से 5 में जीत हासिल की और एक मैच (KKR के खिलाफ) बारिश के कारण रद्द रहा, जिससे वे शुरुआती हफ्तों में अजेय रहे।

नेपाल ने भारत-नेपाल सीमा पर कड़ा किया नियंत्रण

साल में सिर्फ 30 बार होगी वाहनों की एंट्री, उल्लंघन पर भारी जुर्माना

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। अब साल में केवल 30 बार ही पर्यटक और निजी वाहनों को भंसार (कस्टम ड्यूटी) अदा कर नेपाल में प्रवेश करने की अनुमति होगी। 30 बार की सीमा पार करने वाले वाहनों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। नेपाल सरकार ने भंसार की डिजिटल प्रक्रिया के तहत क्यूआर कोड की सुविधा शुरू कर दी है। इसके जरिए अब सभी वाहनों का ऑनलाइन रिकार्ड रखा जाएगा। नई व्यवस्था में माल वाहकों को फिलहाल छूट दी गई है। पहले 100 रुपये से अधिक के भारतीय मूल्य वाले सामान पर भंसार लागू किया जाता था और बिना एमआरपी वाले सामान पर प्रतिबंध लगाया गया था। अब नेपाल में प्रवेश करने वाले वाहनों की डिजिटल निगरानी और बढ़ा दी गई है। इससे 30 बार से अधिक प्रवेश करने वाली गाड़ियों की पहचान आसानी से हो जाएगी।

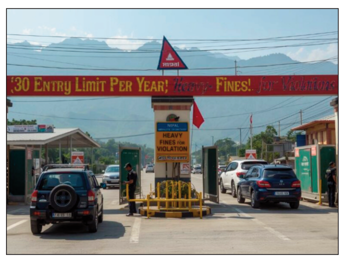

नेपाल सरकार के महाशुल्क-2071 के अनुसार, बिना अनुमति के नेपाल की सड़कों पर वाहन चलाना गैरकानूनी है। पकड़े जाने पर जुर्माना और वाहन जब्त किया जा सकता है। वर्तमान में दोपहिया वाहनों के लिए प्रतिदिन 100, तीन पहिया वाहनों के लिए 400 और चार पहिया वाहनों (कार, जीप, वैन) के लिए 600 नेपाली रुपये शुल्क तय किया गया है। पिछले कुछ दिनों में भारतीय वाहनों द्वारा बिना अनुमति नेपाल में प्रवेश के मामले बढ़ गए थे। इससे टैक्स की चोरी, सुरक्षा संबंधी खतरे और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में वृद्धि हुई।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय-बाजार से मई में ₹14,231 करोड़ निकाले

2026 में अब तक ₹2 लाख करोड़ की बिकवाली की, वजह- ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता

मुंबई, एजेंसी

मई महीने में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की निकासी जारी है। वैश्विक आर्थिक चिंताओं के कारण इस साल अब तक विदेशी निवेशक बाजार से 2 लाख करोड़ से ज्यादा निकाल चुके हैं। एनएसडीएल (NSDL) के डेटा के अनुसार, अकेले मई महीने में विदेशी निवेशकों ने अब तक 14,231 करोड़ की बिकवाली की है। साल 2026 में अब तक की कुल निकासी पिछले पूरे साल के मुकाबले काफी ज्यादा है। साल 2025 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से कुल 1.66 लाख करोड़ निकाले थे। इस साल अब तक यह आंकड़ा 2 लाख करोड़ के पार जा चुका है, जो बाजार पर निरंतर बने बिकवाली के दबाव को दर्शाता है। इस साल विदेशी निवेशकों का रुख ज्यादातर निगेटिव ही रहा है। जनवरी में

35,962 करोड़ के शेयर बेचे गए थे। हालांकि, फरवरी एक अपवाद रहा जब निवेशकों ने 22,615 करोड़ का निवेश किया, जो पिछले 17 महीनों का सबसे बड़ा मंथली निवेश था। लेकिन यह बढ़त ज्यादा समय तक नहीं टिक पाई। मार्च में अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर दिखा और रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ बाजार से बाहर निकल गए। इसके बाद अप्रैल में भी 60,847 करोड़ की निकासी दर्ज की गई है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रिंसिपल मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव की आशंका और जियोपॉलिटिकल रिस्क इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने महंगाई की चिंता बढ़ा दी है। इसी वजह से निवेशक अब जल्द ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद छोड़ रहे हैं और विकसित बाजारों के डेट इंस्ट्रूमेंट्स की ओर रुख कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में आने वाली अस्थिरता और कमजोरी भी विदेशी निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। इससे डॉलर के संदर्भ में उनका रिटर्न प्रभावित होता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार का कहना है कि रुपए की गिरावट और भारत की अर्निंग ग्रोथ को लेकर चिंताओं ने इस साल आउटफ्लो बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

दुनियाभर में खाने-पीने की चीजें 3 साल में सबसे महंगी

नई दिल्ली। दुनियाभर में खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले तीन साल में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं। यूनाइटेड नेशंस (UN) से जुड़े फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (FAO) के मुताबिक, अप्रैल में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले साल से 2.5% ज्यादा है। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध है। UN ने आगे और दाम बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है। ईरान युद्ध को 10 हफ्ते पूरे हो गए हैं। इसके चलते हॉर्मुज रूट बंद है। इस रास्ते से डीजल और फर्टिलाइजर (खाद) जैसे खेती के लिए जरूरी सामान की आवाजाही रुक गई है। खाद और ईंधन महंगा होने से किसानों के लिए खेती करना मुश्किल हो रहा है, जिसका सीधा असर आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल ऑयल पर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बायो-फ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे वेजिटेबल ऑयल के प्राइज मार्च के मुकाबले 5.9% बढ़े हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ज्यादा है। वहीं, मीट की कीमत में 1.2% की बढ़त हुई है, जो अब तक का ऑल-टाइम रिकॉर्ड है।

चौथी तिमाही के नतीजों समेत 5 फैक्टर्स तय करेंगे चाल, निफ्टी के लिए 24,500 पर रेजिस्टेंस

इस हफ्ते ईरान-अमेरिका तनाव पर होगी निवेशकों की नजर

मुंबई, एजेंसी

कल 11 मई से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार की दिशा तय करने में कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे, अमेरिका-ईरान तनाव, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक संकेत अहम भूमिका निभाएंगे। निवेशकों की नजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों फैक्टर्स पर बनी रहेगी। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी करेंगी। कंपनियों के मुनाफे, आय और भविष्य के अनुमान का असर सीधे शेयर बाजार पर पड़ सकता है। अच्छे नतीजों वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि कमजोर नतीजों से बाजार पर दबाव बढ़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका

और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है। किसी भी बड़े घटनाक्रम का असर कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। इसका प्रभाव भारतीय शेयर बाजार में भी देखने को मिल सकता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की बिकवाली भी बाजार के लिए बड़ा फैक्टर बनी हुई है। लगातार बिकवाली से बाजार में दबाव बढ़ सकता है।

> विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार में खबरों और वैश्विक संकेतों के आधार पर तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को सोच-समझकर निवेश करने और बाजार के प्रमुख संकेतों पर नजर बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

अगले हफ्ते के लिए टेक्निकल लेवल

निफ्टी

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के रिसर्च हेड डॉ. रवि सिंह के मुताबिक, बाजार में अभी 'बाय ऑन डिप्स' की रणनीति अपनाई जा सकती है। उनके अनुसार, जब तक निफ्ती 24,000 के ऊपर बना हुआ है, तब तक रिकवरी की उम्मीद है। ऊपर की तरफ 24,500 पर कड़ा रेजिस्टेंस है। चॉइस ब्रोकिंग के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा कि ऊपर की तरफ 24,500 और 24,600 पर रेजिस्टेंस है। वहीं, नीचे की तरफ 24,000 और 23,800 पर सपोर्ट दिख रहा है। अगर 23,800 का लेवल टूटता है, तो बिकवाली का दबाव और बढ़ सकता है।

सेंसेक्स

सेंसेक्स के नजरिए पर चॉइस इक्विटी के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट हितेश टेलर ने कहा कि 76,800–77,000 के जोन में अच्छा सपोर्ट है। अगर बाजार गिरता है, तो इस लेवल पर खरीदारी लौट सकती है। वहीं, ऊपर की तरफ 78,000–78,300 के आसपास रेजिस्टेंस दिख रहा है।

फास्ट न्यूज

सड़क हादसे में घायल किसान की मौत

देवरिया। बरहज क्षेत्र के कपरवार घाट चौराहे के पास एक सड़क हादसे में घायल किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान नौका टोला, कपरवार घाट निवासी अमरजीत यादव (32) पुत्र स्वर्गीय कैलाश यादव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रविवार को अमरजीत सड़क पार कर रहे थे।

आवारा कुत्तों ने बच्चे को कई जगह काटा

कानपुर। कानपुर के विश्वबैंक डी-ब्लॉक में आवारा कुत्तों ने एक 10 साल के बच्चे को बेरहमी से पूरे शरीर में कई जगह नोच डाला। मोहल्ले के लोगों ने कुत्ते को डंडे और बैट से पीटकर भगाया, लेकिन तब तक बच्चा पूरी तरह लहूलुहान हो गया था। बच्चों को पास के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया और परिजनों को जानकारी दी। क्षेत्रीय पार्षद की सूचना पर नगर निगम का दस्ता मौके पर पहुंचा और 10 आवारा कुत्तों को मोहल्ले से पकड़कर ले गई, तब जाकर मोहल्ले के लोगों ने राहत की सांस ली है। बर्रा विश्वबैंक डी-ब्लॉक पानी की टंकी वाले मोहल्ले में रहने वाले मनोज कुमार नगर निगम में सफाई कर्मचारी हैं। मनोज ने बताया कि उनका 10 साल का बेटा अंश रविवार सुबह 8 बजे बच्चों के साथ पार्क में खेलने गया था। इस दौरान वहां पर मौजूद तीन कुत्तों ने हमला कर दिया।

टोटी चोरी के आरोप में पकड़े गए व्यक्ति की मौत

लखनऊ। लखनऊ में रेलवे प्लेटफॉर्म से नल की टोटी चोरी के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा गिरफ्तार किए गए 55 वर्षीय प्रभात कुमार की शनिवार तड़के अस्पताल में मौत हो गई। वह संविदा पर स्टेशन यार्ड में सफाईकर्मी था। परिवार ने मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग की है। सदर लालकुर्ती, निवासी प्रभात कुमार कन्नौजिया को शुक्रवार शाम करीब 7 बजे गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से RPF ने कोच में टोटी चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था।

भाजयुमो नेता को गोली मारी, हालत गंभीर

हमलावर पैदल आया, ताबड़तोड़ 5 फायर किए, डिप्टी सीएम हाल जानने पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 30 साल के भाजयुमो नेता चेतन तिवारी को गोली मार दी गई। शनिवार रात उन पर हमला तब हुआ, जब वह घर के बाहर पत्नी के साथ बैठे थे। हमलावर पैदल आया। अचानक उसने पिस्टल निकाली और उन पर तान दी। ताबड़तोड़ 5 राउंड फायर किए। अचानक हमले से घबराए चेतन ने झुककर बचने की कोशिश की। एक गोली उनकी कमर में लग गई। वह पेट के बल सड़क पर गिर पड़े। हमलावर उनके करीब आया। पिस्टल को कंधे और गर्दन से सटाकर फायर करने लगा। हालांकि, और गोलियां मिस हो गईं। आसपास के लोग बचाने दौड़े तो हमलावर ने उन पर भी पिस्टल तानी। अपनी जान बचाने के लिए लोग पीछे हटते रहे। इस बीच हमलावर फरार हो गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और चेतन को KGMU ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

चेतन तिवारी

थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह ने बताया- मामले में तहरीर पीड़ित श्याम तिवारी उर्फ चेतन की पत्नी की ओर से तहरीर मिली है। वैभव उर्फ कौस्तुभ बाजपेई, हर्षित बाजपेई और 4-5 अज्ञात पर हत्या के प्रयास सहित 10 धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

डीसीपी वेस्ट और लोगों में कहासुनी

इस बीच, डीसीपी वेस्ट कमलेश दीक्षित जब KGMU में मीडिया को ब्रीफ करने आए तो वहां मौजूद लोगों की उनसे कहासुनी हो गई। DCP ने कहा- आरोपी वैभव हिरासत में है। इस पर लोग चिल्लाने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी हिरासत में नहीं है। इस पर डीसीपी ने पूछा- हिरासत में नहीं है तो आरोपी कहां है? मैं यही कह रहा हूं कि आरोपी हिरासत में है। लोग नहीं माने तो डीसीपी बिना बयान दिए ही वहां से चले गए।

रीढ़ की हड्डी में लगी गोली, हत्या के प्रयास में एफआईआर

KGMU के डॉक्टरों के अनुसार, चेतन की रीढ़ की हड्डी में गोली लगी है। इससे उनके दोनों पैर सुन्न हो चुके हैं। पैर रिस्पॉन्स नहीं कर रहे हैं। उधर, चेतन की पत्नी मानसी उर्फ श्वेता तिवारी ने बाजार खाला थाने में शिकायत दी है। इसमें वैभव उर्फ कौस्तुभ बाजपेई, हर्षित बाजपेई और 4-5 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। थाने में दी शिकायत में मानसी ने बताया है कि वह और चेतन नवजात बच्ची को लेकर घर के बाहर बैठे थे। उसी समय वैभव अपने साथ 5-6 लोगों को लेकर पहुंचा। उसने कहा बहुत दिनों से खून का प्यासा था। आज मिले हो। आज तुम्हें और तुम्हारे परिवार को खत्म कर दूंगा। यह कहकर उसने चेतन पर पिस्टल फायर कर दिया।

फायरिंग होते ही अफरा-तफरा मच गई। आसपास के घरों के बाहर खड़ी महिलाएं जान बचाकर भागने लगीं।

हमलावर भागने लगा तो लोगों ने उसका पीछा किया। चेतन के साथ काम कर रहे लड़के ने फावड़ा लेकर दौड़ाया।

चेतन की इलाके में फोटोफ्रेम की दुकान है। पिछले करीब चार साल में चेतन का इलाके में लगातार प्रभाव बढ़ने को लेकर दोनों में वर्चस्व की लड़ाई थी। कई बार मामला थाने भी पहुंचा। चेतन की पत्नी मानसी की लिखित शिकायत पर थाने में हत्या के प्रयास में एफआईआर दर्ज हो गई है।

लखनऊ पुलिस लाइंस के सिपाही ने फिर वीडियो बनाया

बोला- क्या मैं आतंकवादी हूं मुख्यमंत्रीजी? भगत सिंह को मानने वाला शेर हूं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की रिजर्व पुलिस लाइंस में तैनात कॉन्स्टेबल सुनील शुक्ला ने लगातार तीसरा वीडियो जारी कर विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। 7 मई और 8 मई के बाद अब 10 मई को जारी वीडियो में सिपाही ने खुद को प्रताड़ित किए जाने की बात कही है। कहा है कि रात के 1 बजे काले अंग्रेजों ने मेरे घर 6-7 सिपाही भेजे। इस तीसरे वीडियो में सुनील कह रहे हैं- मुख्यमंत्रीजी, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मैं आतंकवादी हूं या नक्सलवादी हूं? क्या मैं किसी हत्या या अपराध का आरोपी हूं? फिर मेरे घर पर रात 1 बजे पुलिस क्यों भेजी गई? वीडियो में सिपाही ने कहा कि उन्हें डराकर या दबाव बनाकर चुप नहीं कराया जा सकता। मैं बता देना चाहता हूं कि मेरी मां ने गीदड़ नहीं, शेर पैदा किया है। मुझे इस तरह तोड़ा नहीं जा सकेगा। अगर मुझे शांत करना है तो मेरी हत्या करानी पड़ेगी। उन्होंने खुद को भगत सिंह की विचारधारा से प्रेरित बताया। कहा- मुझे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा सकता है, लेकिन मानसिक रूप से नहीं तोड़ा जा सकता। मेरी आवाज को बंद नहीं कराया जा सकेगा। मेरे साथ अब ज्यादती हो रही है। सिपाही सुनील ने कहा- मुझे चुप कराने के 2 ही तरीके हैं। पहला तरीका- मेरी हत्या करानी पड़ेगी। यह इन काले अंग्रेजों का प्लान भी है। दूसरा तरीका- विभाग के अंदर मेरे पुलिस परिवार में चल रहे भ्रष्टाचार, शोषण, अनियमितता को समाप्त करना होगा। होमगार्ड विभाग की तरह पुलिस विभाग में भी भ्रष्टाचार के खिलाफ कमेटी बनाकर मेरी आवाज को बंद किया जा सकेगा।

अखिलेश का भाजपा सरकार पर हमला

बोले- 9 साल में कुछ नहीं किया तो 9 महीने में क्या करेंगे मंत्री

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब नौ साल में प्रदेश की जनता के लिए कोई बड़ा काम नहीं किया गया, तो अब आखिरी के नौ महीनों में मंत्री क्या कर लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं और जनता परेशान है। उनका आरोप था कि भाजपा सरकार एक ओर सरकारी बजट की लूट कर रही है, वहीं दूसरी ओर जनता की जेब पर बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने जल जीवन मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का बोझ नहीं सह पा रही हैं और लगातार गिर रही हैं। साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को भी बदहाल बताया। अखिलेश यादव ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान भी "भ्रष्टारोपण" में बदल गया है। स्मार्ट मीटर को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बिजली उपभोक्ताओं की जेब से पैसा निकालकर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता को हर तरफ से लूटा जा रहा है। आरक्षण के मुद्दे पर सपा प्रमुख ने भाजपा पर नौकरियों में आरक्षण घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज भाजपा की रणनीति को समझ चुका है।

सपा सांसद के आवास का घेराव, नारे लगाए- अखिलेश-राहुल मुर्दाबाद

बीजेपी विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक सड़क पर उतरे

- इंदिरानगर के मुंशी पुलिया स्थित सपा सांसद आरके चौधरी के आवास के बाहर बीजेपी विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थकों ने नारेबाजी की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक रविवार को सड़क पर उतर आए। उन्होंने सपा सांसद आरके चौधरी के आवास के बाहर जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया। इस दौरान अखिलेश यादव मुर्दाबाद और राहुल गांधी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। महिलाओं ने प्रियंका गांधी होश में आओ जैसे नारे लगाए। मुंशी पुलिया स्थित आरके चौधरी के आवास जाने से पहले सभी समर्थक 1090 चौराहे पर इकट्ठा हुए। यहां सबने मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद मुंशी पुलिया की ओर गाड़ियों के काफिले से निकल गए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि नारी वंदन अधिनियम के खिलाफ बोलकर आरके चौधरी ने महिलाओं का अपमान किया है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। वहीं, आवास पर मौजूद सपा सांसद आरके चौधरी ने कहा है।

"सपा सांसद आरके चौधरी के आवास के बाहर भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक नारेबाजी कर रहे हैं। वो तालियां बजाकर स्लोगन दोहरा रहे हैं। भाजपा विधायक के समर्थक सपा सांसद के आवास पहुंच गए हैं।

आधे घंटे नारेबाजी कर लौट गए विधायक समर्थक

भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के समर्थक सपा सांसद आरके चौधरी के आवास के बाहर करीब आधे घंटे तक नारेबाजी की। इस दौरान कड़ी धूप में सड़क पर बैठे रहे। सांसद अपने आवास के अंदर आकर उनसे बातचीत करने का इंतजार कर रहे थे। विधायक समर्थक उनसे बातचीत किए बगैर ही वहां से उठकर सरोजनी नगर लौट गए। सपा सांसद आरके चौधरी अपने आवास के अंदर कार्यकर्ताओं के साथ बैठे हैं। उनका कहना है कि वह प्रदर्शन कर रही महिलाओं का इंतजार कर रहे हैं।

सपा सांसद आवास पर इंतजार कर रहे, बोले- स्वागत करूंगा

सांसद आरके चौधरी अपने आवास पर मिले। उनसे पूछा कि आपके खिलाफ महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं। इस पर आरके चौधरी ने कहा- उनका इंतजार कर रहा हूं। आएं तो स्वागत-सम्मान करूंगा। सरोजनी नगर मेरा क्षेत्र है। मैं महिलाओं का सम्मान करूंगा, वो भले की किसी दल की हों। नारी वंदन अधिनियम पर उन्होंने कहा- बिल को लागू करने में भाजपा मक्कारी कर रही है।

कैश दो, वरना मार दूंगा : टीचर

वाराणसी। वाराणसी में 35 साल के टीचर ने जनसेवा केंद्र (CSC) में लूट की कोशिश की। उसने संचालक पर पिस्टल तान दी। धमकाते हुए बोला- रुपए दे दो, नहीं तो गोली मार दूंगा। जनसेवा केंद्र का संचालक रुपए लाने की बात कहकर पीछे गया और शोर मचाने लगा।

पकड़े जाने के डर से टीचर भागने लगा, लेकिन CSC के बाहर लोगों ने उसे पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई कर दी। पिस्टल छीन ली। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी की पहचान गौतम पटेल के रूप में हुई है। वो प्राइवेट स्कूल में पढ़ाता है। घटना का CCTV भी सामने आया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उस पर बहुत कर्ज है।

हर महीने 25 हजार रुपए की किश्त देनी पड़ती है, लेकिन स्कूल से सैलरी सिर्फ 13 हजार रुपए मिलती है। इससे तंग आकर उसने लूट की वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया। घटना शनिवार रात 8 बजे की बड़ागांव थाना क्षेत्र की है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भव्य शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज एक भव्य शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सत्येंद्र कुशवाहा, मालिक TV 24 एवं Brain Fra IAS के डायरेक्टर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रिंसिपल, प्रोफेसर, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह-पूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर और प्रशासनिक सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। मंच से विद्यार्थियों को UPSC, PCS तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही छात्रों को अनुशासन, मेहनत और सही मार्गदर्शन के महत्व के बारे में भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों और शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षा ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। यदि विद्यार्थी सही दिशा में मेहनत करें तो वे किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं ने वक्ताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और अपने भविष्य को लेकर कई सवाल भी पूछे।

इस मौके पर विभिन्न जिलों से आए प्रिंसिपल और प्रोफेसरों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

युवाओं को सही समय पर सही जानकारी और मार्गदर्शन मिलना बेहद जरूरी है, जिससे वे अपने जीवन में बेहतर निर्णय ले सकें।

कार्यक्रम में शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल मीडिया, पत्रकारिता और प्रशासनिक सेवाओं के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर भी चर्चा की गई। आयोजकों ने छात्रों को मेहनत, सकारात्मक सोच और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों में काफी उत्साह देखने को मिला।

अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई।

खेलते-खेलते 3 साल की बच्ची खौलती चाशनी में गिरी, मौत

बांसगांव, गोरखपुर। गोरखपुर में खौलती चाशनी में गिरकर 3 साल की बच्ची की मौत हो गई। शनिवार दोपहर बच्ची खेलते-खेलते चाशनी में गिर गई थी। पूरे शरीर पर बड़े-बड़े छाले पड़ गए। आनन-फानन में हलवाई ने उसे बाहर निकाला। बचाने में वह भी झुलस गया। घरवालों ने बच्ची को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। बच्ची अदिति गुप्ता का करीब 4 घंटे तक इलाज चला, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं पाए। डॉक्टरों के मुताबिक, वह 60 फीसदी से ज्यादा झुलस गई थी। शरीर पर बड़े-बड़े छाले पड़ गए थे। परिजनों के मुताबिक, पड़ोस के घर में 12 मई को शादी थी। इसके लिए हलवाई चाशनी बना रहे थे। बच्ची हलवाई की रिश्ते में नातिन लगती थी। मामला जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर बांसगांव का है। दोनखर वार्ड संख्या-4 निवासी सुरेश यादव के घर 12 मई को शादी होनी है। शनिवार दोपहर 3 बजे मेहमानों के लिए मिठाई बनाई जा रही थी। पड़ोस में रहने वाले हलवाई राजेंद्र गुप्ता अपने सहयोगियों के साथ मिठाई बनवा रहे थे।

आंदोलन : शिक्षा, महिला सुरक्षा, किसानों की आत्महत्या और ईडी के दुरुपयोग को लेकर सरकार को घेरा

संजय सिंह का भाजपा पर हमला, बोले- स्मार्ट मीटर से जनता की लूट जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा सरकार पर स्मार्ट मीटर घोटाले, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, महिला अपराधों में लगातार बढ़ोतरी, किसानों की आत्महत्या और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के आंदोलन और जनता के दबाव के कारण सरकार को प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना पर पीछे हटना पड़ा, लेकिन पोस्टपेड स्मार्ट मीटर के जरिए अभी भी जनता को लूटने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि देश से प्यार करने वाले हर नागरिक को शिक्षा, लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई में आगे आना होगा क्योंकि भाजपा सरकार जनता के

अधिकारों पर लगातार हमला कर रही है। आप सांसद संजय सिंह ने रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ जनता और आम आदमी पार्टी के व्यापक आंदोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा और प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना को वापस लेना पड़ा, लेकिन पोस्टपेड स्मार्ट मीटर के जरिए जनता की लूट अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांवों और शहरों में लोग खुद स्मार्ट मीटर उखाड़कर फेंक रहे थे, महिलाओं तक ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। आम आदमी पार्टी ने पूरे प्रदेश में आंदोलन चलाया, कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जनता और पार्टी के संघर्ष के आगे सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा।

- स्मार्ट मीटर की लूट पर जनता और आप के आंदोलन के आगे झुकी सरकार, अब पोस्टपेड स्मार्ट मीटर भी हटाना होगा - संजय सिंह
- उत्तर प्रदेश के 9508 स्कूलों में केवल एक शिक्षक, 98592 स्कूलों में बेटियों के लिए शौचालय नहीं - संजय सिंह
- महिला अपराध में उत्तर प्रदेश नंबर वन, भाजपा शासित राज्यों में सबसे अधिक महिलाओं पर अत्याचार - संजय सिंह
- रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा 16 मई से मेरठ से गाजियाबाद तक निकलेगी - संजय सिंह
- भ्रष्टाचार की टंकियों में बदल गया जल जीवन मिशन, जनता का पैसा मलबे में तब्दील हो रहा - संजय सिंह

पृष्ठ 01 का शेष...

योगी मंत्रिमंडल ...

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा, मैं सबको शुभकामनाएं देती हूं। मुख्यमंत्री का अभिनंदन करती हूं। राज्यपाल का अभिनंदन करती हूं। सब लोगों को अपना-अपना दायित्व मिलेगा, जिससे हमारी सरकार और अच्छे से चलेगी। यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा- कैबिनेट विस्तार का बहुत अच्छा प्रयास है। सबका साथ, सबका विकास का संदेश हर समाज तक पहुंचे, इसलिए मंत्रिपरिषद के विस्तार के माध्यम से ऐसे सभी समाजों को समाहित कर रही है, जिन्हें सत्ता में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा- अखिलेश यादव EVM को खत्म करने पर डटे हुए हैं। EVM अखिलेश यादव और INDI गठबंधन को खत्म करने में कामयाब हो रही है। अखिलेश की ये जिद्द सपा को पतन की तरफ ले जा रही है। अखिलेश अपनी कमियों को छिपाने के लिए EVM का सहारा लेते हैं। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शनिवार रात सीएम योगी से उनके पांच कालिदास मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक, सीएम योगी ने खुद उन्हें मंत्री बनाए जाने की खुशखबरी दी। रविवार को दोपहर 3 बजे शपथ ग्रहण के लिए जनभवन पहुंचने का निमंत्रण दिया। यूपी भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पश्चिमी यूपी के प्रमुख जाट चेहरों में शामिल भूपेंद्र चौधरी को पीडब्ल्यूडी विभाग मिल सकता है। पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के केंद्र में मंत्री बनने के बाद से यह मंत्रालय सीएम योगी के पास है। यूपी सरकार के मंत्री अनिल राजभर ने कैबिनेट विस्तार पर कहा- हमारे जो नए मंत्री शपथ लेंगे, उनको हमारी शुभकामना है। उत्तर प्रदेश के मंत्रिपरिषद का कोटा थोड़ा अधूरा था, हम उम्मीद करते हैं कि आज वो पूरा होगा।

पीएम ने बेंगलुरु ...

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए मानसिक रूप से शांत और सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवाओं की जरूरत है। योग, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है। कार्यक्रम में PM मोदी ने गुरुदेव श्री श्री रविशंकर से कहा कि मैं आपका ही हूं और जहां हूं, वहां भी आपकी वजह से हूं। इस पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों से हजारों स्वयंसेवक शामिल हुए। इनमें युवा, डॉक्टर, शिक्षक, कारोबारी और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने कहा कि पिछले कुछ साल में देश में आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के बाद देश ज्यादा साफ और व्यवस्थित दिखाई देता है। आर्ट ऑफ लिविंग ने बताया कि मिशन ग्रीन अर्थ के तहत पिछले एक साल में 19 राज्यों में 90 लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं। संगठन अब 45 लाख मोरिंगा पौधे और 87,500 पवित्र पेड़ लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। संगठन ने यह भी बताया कि जेल सुधार कार्यक्रम के तहत 550 जेलों में 1,000 कार्यक्रम चलाए जाएंगे। वहीं, महिला और युवा नेतृत्व कार्यक्रमों के जरिए हजारों लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

विजय तमिलनाडु ...

CM जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की। CM विजय ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वे किसी शाही खानदान से नहीं हैं, लोगों ने ही उनका स्वागत किया और उन्हें स्वीकार किया। इसलिए झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे। CM विजय ने बताया कि पिछली DMK सरकार पर राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लादने का आरोप लगाया। कमल हासन ने X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- TVK के अध्यक्ष, तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री और मेरे भाई विजय के नेतृत्व में तमिलनाडु राज्य खूब चमके। यह नई ऊंचाइयों को छुए। मैं अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। सेल्वी एस कीर्तना विजय कैबिनेट में शपथ लेने वाली सबसे कम उम्र की मंत्री हैं। वे 29 साल की हैं। सबसे उम्रदराज सदस्यों में पार्टी के जनरल सेक्रेटरी एन आनंद हैं। उनकी उम्र 61 साल है। शिवकाशी सीट से विधायक कीर्तना, विजय कैबिनेट की की एकमात्र महिला और सबसे छोटी उम्र की मंत्री हैं। कीर्तना, शिवकाशी से भी पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस सीट पर लगभग सात दशक के पुरुष वर्चस्व को समाप्त किया है। वे तमिल के साथ-साथ हिंदी भाषा में भी मजबूत पकड़ रखती हैं।

पेट्रोल-डीजल ...

लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने पहले ही मौके पर DMK की पीठ में छुरा घोंप दिया। 40 साल पहले 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी पिछले तीन चुनावों में मिलकर भी 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। इसके बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार के लिए पूरी दुनिया को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के असर का जिक्र करते हुए कहा कि जब सप्लाई चेन लगातार संकट में रहती है, तब कितने भी उपाय कर लें, मुश्किलें बढ़ती ही जाती हैं। इसलिए अब हमें देश और भारत माता को सर्वोपरि रखते हुए एकजुट होकर मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि देशभक्ति सिर्फ देश के लिए मरना नहीं है। देश के लिए जीना और अपने कर्तव्यों को निभाना भी देशभक्ति है।

एंबुलेंस-ऑटो की टक्कर में पिता-पुत्र की मौत

शादी समारोह में शामिल होने दिल्ली से आया था परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाईपुर, आगरा। आगरा में तेज रफ्तार एंबुलेंस ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना जगदीशपुरा क्षेत्र स्थित बिचपुरी में रविवार सुबह करीब 8 बजे हुआ। हादसे में ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिवार दिल्ली से आगरा के सदरवन गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। मृतकों की पहचान पिता नेमीचंद (36) और उनके बड़े बेटे शिवम (14) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा बिचपुरी पुलिस चौकी से 9 किलोमीटर दूर हादसा हुआ। पूरा

नेमीचंद मृतक पिता
शिवम मृतक बेटा

परिवार दिल्ली से आगरा के सदरवन गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। रविवार सुबह परिवार के पांच सदस्य ऑटो में सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार एंबुलेंस ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी गई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676